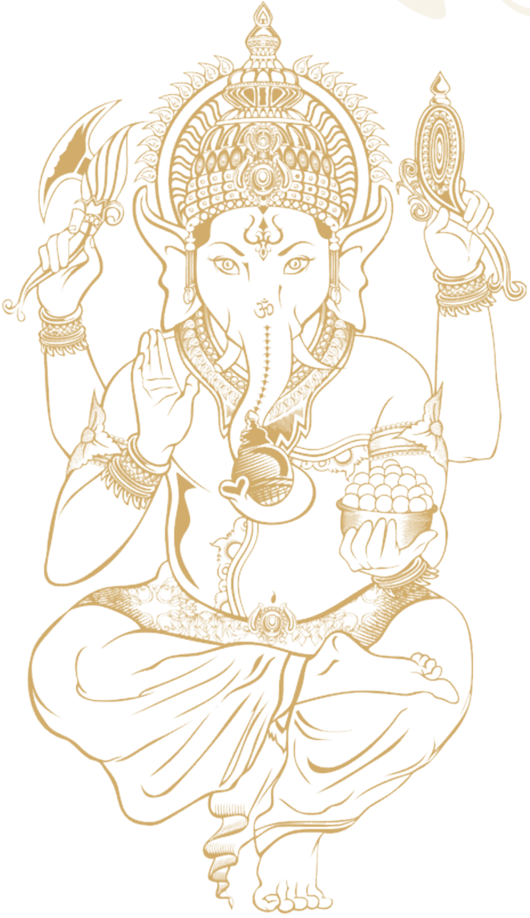

Vipin

23 Feb 2007

02:32 PM

Solapur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121900906

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/02/2007**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**14:32:00 घंटे**
इष्ट	19:16:41 घटी
स्थान	**Solapur**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	17:43:00 उत्तर
रेखांश	75:56:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:05:44 घंटे
वेलान्तर	-00:13:27 घंटे
साम्पातिक काल	00:17:15 घंटे
सूर्योदय	06:49:19 घंटे
सूर्यास्त	18:30:17 घंटे
दिनमान	11:40:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	10:24:17 कुम्भ
लग्न के अंश	17:09:59 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	ऐन्द्र
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	अ-अश्विनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:09:59	323:57:09	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	10:24:17	01:00:25	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	28:04:37	14:04:34	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	सम राशि
मंगल			मक	04:00:33	00:45:20	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	उच्च राशि
बुध	व	अ	कुंभ	10:01:48	01:05:56	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
गुरु			वृश्चि	23:14:08	00:07:07	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			मीन	08:32:22	01:13:50	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	उच्च राशि
शनि	व		कर्क	26:40:27	00:04:40	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
राहु			कुंभ	22:14:38	00:00:34	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु			सिंह	22:14:38	00:00:34	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	20:08:09	00:03:24	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
नेप			मक	26:05:45	00:02:14	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो			धनु	04:38:50	00:01:10	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	10:44:28	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:29

लग्न-चलित

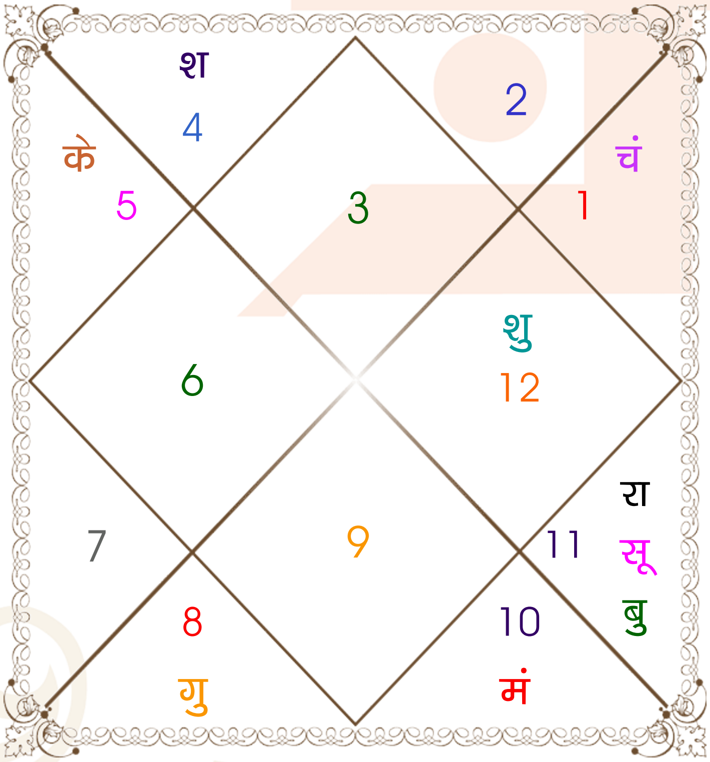

चन्द्र कुंडली

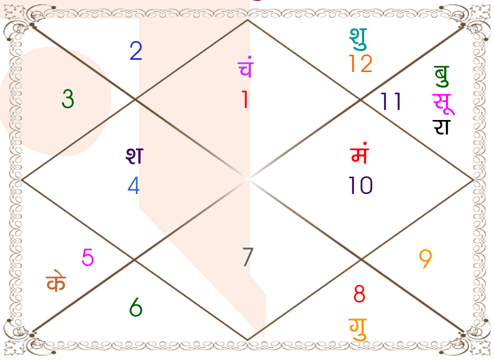

नवमांश कुंडली

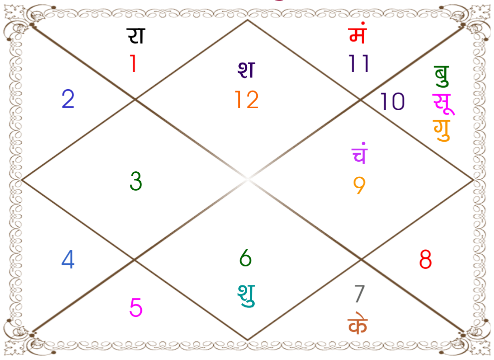

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 4 मास 11 दिन

सूर्य 6 वर्ष		**चंद्र 10 वर्ष**		**मंगल 7 वर्ष**		**राहु 18 वर्ष**		**गुरु 16 वर्ष**	
23/02/2007		**06/07/2012**		**06/07/2022**		**06/07/2029**		**07/07/2047**	
06/07/2012		**06/07/2022**		**06/07/2029**		**07/07/2047**		**07/07/2063**	
	23/02/2007	चंद्र	06/05/2013	मंगल	02/12/2022	राहु	18/03/2032	गुरु	24/08/2049
चंद्र	24/04/2007	मंगल	05/12/2013	राहु	21/12/2023	गुरु	12/08/2034	शनि	06/03/2052
मंगल	30/08/2007	राहु	06/06/2015	गुरु	26/11/2024	शनि	18/06/2037	बुध	12/06/2054
राहु	24/07/2008	गुरु	05/10/2016	शनि	05/01/2026	बुध	05/01/2040	केतु	19/05/2055
गुरु	12/05/2009	शनि	06/05/2018	बुध	02/01/2027	केतु	23/01/2041	शुक्र	17/01/2058
शनि	24/04/2010	बुध	06/10/2019	केतु	31/05/2027	शुक्र	23/01/2044	सूर्य	05/11/2058
बुध	01/03/2011	केतु	06/05/2020	शुक्र	30/07/2028	सूर्य	17/12/2044	चंद्र	06/03/2060
केतु	07/07/2011	शुक्र	05/01/2022	सूर्य	05/12/2028	चंद्र	18/06/2046	मंगल	10/02/2061
शुक्र	06/07/2012	सूर्य	06/07/2022	चंद्र	06/07/2029	मंगल	07/07/2047	राहु	07/07/2063

शनि 19 वर्ष		**बुध 17 वर्ष**		**केतु 7 वर्ष**		**शुक्र 20 वर्ष**		**सूर्य 6 वर्ष**	
07/07/2063		**06/07/2082**		**07/07/2099**		**07/07/2106**		**07/07/2126**	
06/07/2082		**07/07/2099**		**07/07/2106**		**07/07/2126**		**00/00/0000**	
शनि	09/07/2066	बुध	02/12/2084	केतु	03/12/2099	शुक्र	06/11/2109	सूर्य	25/10/2126
बुध	18/03/2069	केतु	29/11/2085	शुक्र	02/02/2101	सूर्य	06/11/2110	चंद्र	24/02/2127
केतु	27/04/2070	शुक्र	29/09/2088	सूर्य	10/06/2101	चंद्र	07/07/2112		00/00/0000
शुक्र	27/06/2073	सूर्य	05/08/2089	चंद्र	09/01/2102	मंगल	06/09/2113		00/00/0000
सूर्य	09/06/2074	चंद्र	05/01/2091	मंगल	07/06/2102	राहु	06/09/2116		00/00/0000
चंद्र	08/01/2076	मंगल	02/01/2092	राहु	25/06/2103	गुरु	08/05/2119		00/00/0000
मंगल	16/02/2077	राहु	22/07/2094	गुरु	31/05/2104	शनि	07/07/2122		00/00/0000
राहु	24/12/2079	गुरु	26/10/2096	शनि	10/07/2105	बुध	07/05/2125		00/00/0000
गुरु	06/07/2082	शनि	07/07/2099	बुध	07/07/2106	केतु	07/07/2126		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 4 मा 14 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुर्निर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।